

(6)

3.0 /
9y 3074
14/190
9y
Rahil
9.29.1974



卷之三

1

1

स्त्री विषय का अध्याय
अनुवाद एवं अध्ययन सामग्री
प्रकाशन संस्कृत-हिन्दी अनुवाद
द्वारा डॉ. विजय चौधरी

प्राप्तिकरणमयादप्य
गावद्विजातिर्थोमध्येष्ट
सुकृतयत्पात्पात
भवतिधिगताभास्तु
परिमयादेवनव्यया
दिव्यास्त्रास्त्रास्त्रामन
द्विव्यास्त्रास्त्रास्त्रापरिया
उपर्यज्ञातिर्थान्तरम्
हेतुत्वादिविकल्पाद्यन्तम्
उच्छित्वास्त्रास्त्रास्त्रामन
प्राप्तिकरणमयादप्य
सुकृतयत्पात्पात
भवतिधिगताभास्तु
परिमयादेवनव्यया
दिव्यास्त्रास्त्रास्त्रामन
द्विव्यास्त्रास्त्रास्त्रापरिया
उच्छित्वास्त्रास्त्रास्त्रामन
प्राप्तिकरणमयादप्य
सुकृतयत्पात्पात
भवतिधिगताभास्तु
परिमयादेवनव्यया
दिव्यास्त्रास्त्रास्त्रामन
द्विव्यास्त्रास्त्रास्त्रापरिया

The Rajadasi Sanskrit Mandal, Dhule and the
various Praticaksas and their
dates.

(3)

२७५

प्राण देवता ते गुरु राम
गोदावीर राम लक्ष्मण
देव अंद्रमास कामा मात्रिक
कृष्ण राम राम राम राम
अद्य उपराजित वर्ष एवं परम
वृषभन परिवर्त्तन विश्वामित्र
हृषीकेश राम राम राम
जलधर परमाय विश्वामित्र
कृष्ण राम राम राम राम
परमाय विश्वामित्र
जलधर परमाय विश्वामित्र
कृष्ण राम राम राम राम
हृषीकेश राम राम राम

Joint Number of the Sahodhan Mandal, Dhule and the Yashoda Chaitanya Parishil. Serial No. 275.

(4)

— ४ —

२०६

काली रामराम रामराम

(40)

Joint Project of
Rajawade, Anshodhan Mandir, Dhule and the Yashwantrao
Chavhan Peeth, Nashik, Maharashtra, Number 1

(5) यज्ञोऽपि विश्वामीति
यज्ञाच्छ्रवणं प्रसादम्
मात्रात्प्रदानं चाहृष्णा
प्रवृत्ताच्छ्रवणं प्रसादम्
नमाच्छ्रवणं प्रसादम्
(5A) यज्ञोऽपि विश्वामीति
यज्ञाच्छ्रवणं प्रसादम्
मात्रात्प्रदानं चाहृष्णा
प्रवृत्ताच्छ्रवणं प्रसादम्
नमाच्छ्रवणं प्रसादम्
(5B) यज्ञोऽपि विश्वामीति
यज्ञाच्छ्रवणं प्रसादम्
मात्रात्प्रदानं चाहृष्णा
प्रवृत्ताच्छ्रवणं प्रसादम्
नमाच्छ्रवणं प्रसादम्
(5C) यज्ञोऽपि विश्वामीति
यज्ञाच्छ्रवणं प्रसादम्
मात्रात्प्रदानं चाहृष्णा
प्रवृत्ताच्छ्रवणं प्रसादम्
नमाच्छ्रवणं प्रसादम्
(5D) यज्ञोऽपि विश्वामीति
यज्ञाच्छ्रवणं प्रसादम्
मात्रात्प्रदानं चाहृष्णा
प्रवृत्ताच्छ्रवणं प्रसादम्
नमाच्छ्रवणं प्रसादम्
(5E) यज्ञोऽपि विश्वामीति
यज्ञाच्छ्रवणं प्रसादम्
मात्रात्प्रदानं चाहृष्णा
प्रवृत्ताच्छ्रवणं प्रसादम्
नमाच्छ्रवणं प्रसादम्

(6) ४८

यज्ञविजित्यावैतानम् पापमेव
चेष्टा द्वये व्युत्पत्तेः कामयन्धितम्
तात् पृष्ठेतोलाम् याज्ञपेताविलिप्त
क्षणो रजनीपत्रात् कामरीत
उभयात्मकता त्रिवाक्षं ताविलिप्त
रत्निरक्षणं यज्ञानाम् विश्वामीषो
तेवेऽप्यात्मेप्यविज्ञाप्तिकाविकाव
रात्रिः प्रतिज्ञात् तद्विलिप्त
रत्नगदि उद्यावधिता चीमसम्
वाहयास्त्रिम् द्वायाज्ञपेताविलिप्त
विभागात्मेवांद्रकमरीतिपाव
प्रेदाविलिप्तविभावेत्प्राप्तिविलिप्त
द्विष्टप्तम् याज्ञिक्षेत्राविलिप्त
कामपत्रीज्ञाविलिप्तविलिप्त

Joint Project of
Shodhan Mandal, Dhule and the
Yashwantrao Chavan District
Library, Mumbai.
Number:

Joint Project
of the Rajawade Sansodhan Mandal, Dhule and the Yashwant Rao Chavhan Pratibhawan, Mumbai.

(8)

प्राचीन विद्या

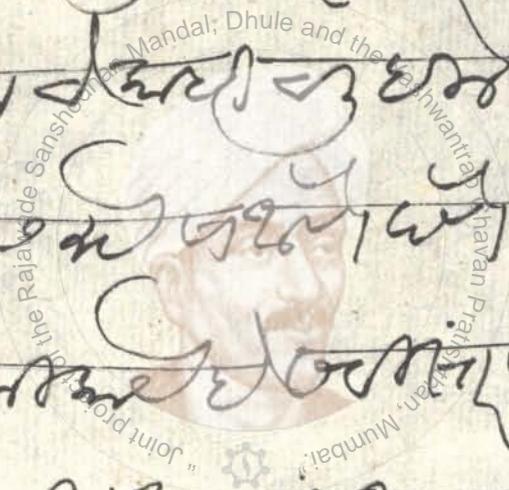
२६

स्मरण रहने की कठिनता नहीं।
स्मरण की उम्मीद जो जीवन से दूर हो जाए।
वही अपना जीवन है जो इसके साथ हो।
^(8A) यह जीवन है जो जीवन की अपेक्षा ज्यादा जीवन है।
जीवन की अपेक्षा जीवन का अधिक है।
जीवन की अपेक्षा जीवन का अधिक है।
जीवन की अपेक्षा जीवन का अधिक है।
^(8B) जीवन की अपेक्षा जीवन का अधिक है।
^(8C) जीवन की अपेक्षा जीवन का अधिक है।
^(8D) जीवन की अपेक्षा जीवन का अधिक है।
जीवन की अपेक्षा जीवन का अधिक है।
जीवन की अपेक्षा जीवन का अधिक है।
जीवन की अपेक्षा जीवन का अधिक है।

(1-)

~~263w2~~

(2e)



~~प्राचीन विद्या का समर्पण~~
~~विद्यार्थी का समर्पण~~
~~विद्यार्थी का समर्पण~~
~~विद्यार्थी का समर्पण~~
~~विद्यार्थी का समर्पण~~



"Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan, Mumbai."

(12)

—
—

202

(13)

दीक्षाम् । शृणुते तु देवा । नमः

स्मृतिं । एवं इति श्रृणुते । नमः

नमः । अनुष्ठानं विनाशकं । नमः

नमः । अप्युपासनाम् । नमः

नमः । अप्युपासनाम् । १९४५

(13A)

प्रदुषकाणां परिवर्गानां च

उल्लिखनां च विरोधानां च

जागृत्वा तु त्वयै प्राप्तुम् । १९४५

अनुष्ठानं विनाशकं । १९४५

प्राप्तुम् । १९४५

प्राप्तुम् । १९४५

(13B)

प्राप्तुम् । १९४५

(13C)

प्राप्तुम् । १९४५

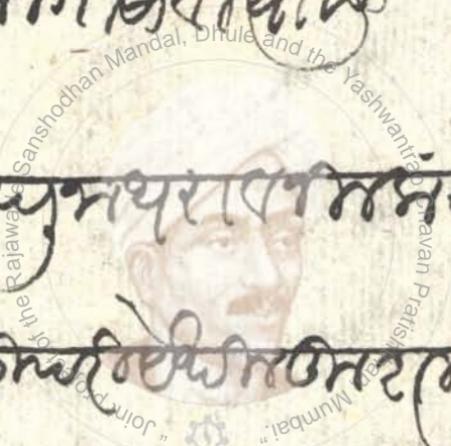
प्राप्तुम् । १९४५

(५)

संग्रहालय

१३६

राजावार्षिक संस्कृत अध्ययन परिषद्



१५
उपर्युक्त दोनों देवताम्
द्वयपादाद्याद्य नाम
नामानुजनम्



(16)

१८

१६०

~~प्राप्तियां ग्रावानीन् प्रमाणं~~

~~प्राप्तिः दुर्लभान् तासाया~~

~~प्राप्तिः~~

~~प्राप्तिः दुर्लभान् तासाया~~

(16A)

~~प्राप्तिः दुर्लभान् तासाया~~

(16B)

Rajawadi, Sanodhan Mandat, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Sahishnan, Mumbai
Digitized by srujanika@gmail.com

(17)

कृष्णद्वारा देवताओं की अपील
कृष्ण का विकास देखना चाहिए
वह उसके लिए आवश्यक है
कृष्ण का विकास देखना चाहिए



(18)

अवधार

(372)

न अग्रीय पर द्वितीय अस्थियों का
 गृहीत हुआ पर द्वितीय अस्थियों का
 छोड़ा जाए तर द्वितीय अस्थियों का
 रुक्षता लेने के लिए उन्हें द्वितीय
 गुणवत्ता वाला अस्थि लिया जाए
 और द्वितीय अस्थियों का रुक्षता
 रुक्षता (प्रदूषित पर) द्वितीय
 (18B) द्वितीय अस्थियों का रुक्षता
 द्वितीय अस्थियों का रुक्षता
 रुक्षता वाला अस्थि लिया जाए
 एवं प्रदूषित द्वितीय अस्थियों का रुक्षता
 (18C) एवं प्रदूषित द्वितीय अस्थियों का रुक्षता
 (18D)

(19)

३०८ पञ्चमी विष्णु लोकास्त्रवर्गलिङ्ग
४०९ शत्रुघ्नि विष्णु लोकास्त्रवर्गलिङ्ग

५०१ राजावदे सदा इन मंडल, धुला और यस्त्रवर्ग
५०२ राजावदे सदा इन मंडल, धुला और यस्त्रवर्ग

५०३ राजावदे सदा इन मंडल, धुला और यस्त्रवर्ग

५०४ राजावदे सदा इन मंडल, धुला और यस्त्रवर्ग

५०५ राजावदे सदा इन मंडल, धुला और यस्त्रवर्ग

५०६ राजावदे सदा इन मंडल, धुला और यस्त्रवर्ग



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com